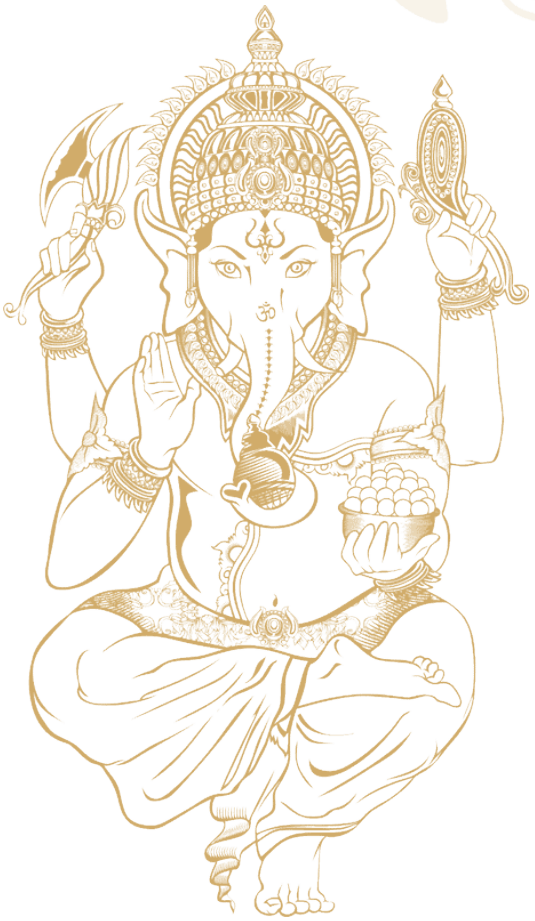

M

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121385704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/1994	जन्म तिथि	18/01/1998
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	18:50:00 घंटे
घटी 27:53:35	जन्म समय(घटी)	28:32:54 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Ropar
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:59:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	76:31:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:23:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:25:33	सूर्योदय	07:22:20
17:45:43	सूर्यास्त	17:46:31
23:46:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 8मा 18दि	11:36:13	कर्क	लग्न	कर्क	18:35:58	सूर्य 0वर्ष 0मा 14दि
गुरु	00:21:53	मक	सूर्य	मक	04:24:51	राहु
04/10/2014	01:29:23	कुंभ	चंद्र	कन्या	09:54:34	02/02/2015
04/10/2030	25:40:22	धनु	मंगल	कुंभ	00:46:36	02/02/2033
गुरु 21/11/2016	07:06:36	मक	बुध	धनु	13:53:47	राहु 16/10/2017
शनि 04/06/2019	17:52:56	तुला	गुरु	कुंभ	02:14:44	गुरु 10/03/2020
बुध 09/09/2021	29:45:27	धनु	शुक्र व	मक	01:00:54	शनि 15/01/2023
केतु 16/08/2022	04:36:07	कुंभ	शनि	मीन	20:41:33	बुध 04/08/2025
शुक्र 16/04/2025	07:50:52	वृश्चि व	राहु	सिंह	17:27:26	केतु 22/08/2026
सूर्य 02/02/2026	07:50:52	वृष व	केतु	कुंभ	17:27:26	शुक्र 22/08/2029
चन्द्र 04/06/2027	28:36:04	धनु	हर्ष	मक	14:16:33	सूर्य 17/07/2030
मंगल 10/05/2028	27:11:40	धनु	नेप	मक	05:46:16	चन्द्र 15/01/2032
राहु 04/10/2030	03:41:06	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:28:59	मंगल 02/02/2033

लग्न-चलित

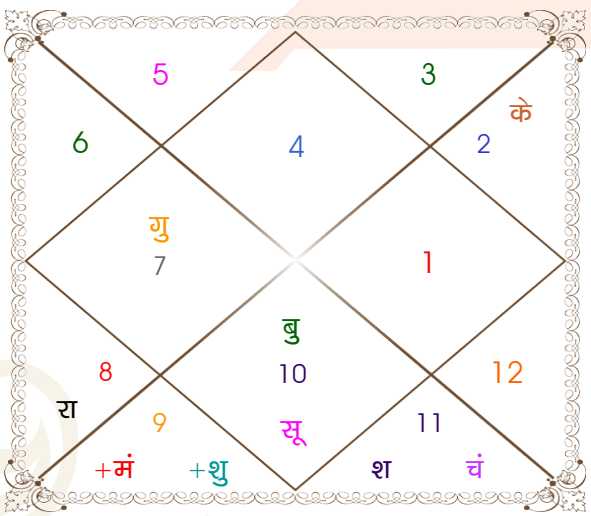

लग्न-चलित

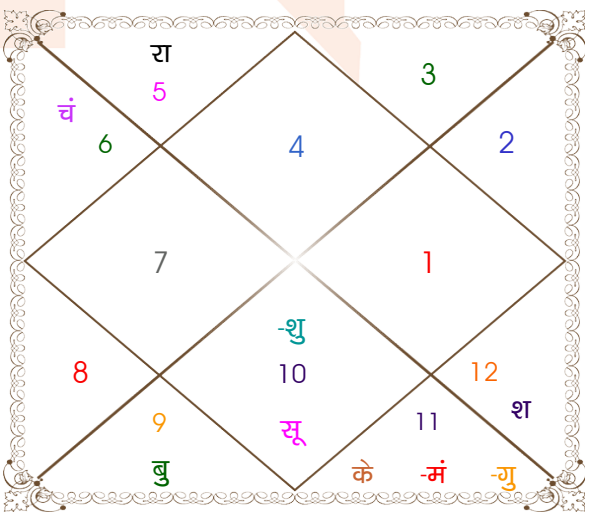

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग मार्जार है तथा Ms का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और Ms का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि M कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल M कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा Mण में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।